

उत्तर प्रदेश का मेगा नविश अभियान

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में ग्राउंड ब्रेकगि सेरेमनी (GBC@IV) के चौथे संस्करण की मेज़बानी करने वाली है, जिसका उद्देश्य 10 लाख करोड़ रुपए के नविश प्रस्तावों को लागू करना है।

मुख्य बटु:

- उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (UPSIDA) इस समारोह में 1.5 लाख करोड़ रुपए की राशिके 15% प्रस्तावों को शुरू करने हेतु तैयार है।
- इन मेगा परियोजनाओं में शामिल हैं:
- चंदौली में एकीकृत टाउनशपि: 333 एकड़ को कवर करने वाली 7,000 करोड़ रुपए की एकीकृत टाउनशपि का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी GBC@IV के दौरान करेंगे।
- चंदौली में वर्ल्ड ट्रेड सेंटर विकास: वर्ल्ड ट्रेड सेंटर नोएडा डेवलपमेंट कंपनी द्वारा एकीकृत टाउनशपि और मॉल के विकास से चंदौली में 12,000 अतिरिक्त रोज़गार के अवसर उत्पन्न होंगे।
- वनरिमाण उद्यम: भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स, एपेक्स वेलफेयर ट्रस्ट और अनीता डिसिटिलरी की परियोजनाएँ सामूहिक रूप से औद्योगिक सामान उत्पादन, स्वास्थ्य सेवा तथा जैव ईंधन उत्पादन जैसे क्षेत्रों में हज़ारों लोगों के लिये रोज़गार के अवसर उत्पन्न करेंगी।
- इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से चंदौली, ललतिपुर, बस्ती, एटा, बुलंदशहर, अमेठी, मोरादाबाद और झाँसी सहित कई ज़िलों में आर्थिक वृद्धि तथा विकास को गति मिलने की उम्मीद है।
- नयोजति नविश 45 ज़िलों में 3,500 से अधिक इकाइयाँ बनाने के लिये तैयार है, जो रोज़गार सृजन और आर्थिक सशक्तीकरण में महत्त्वपूर्ण योगदान देगा।
- नविश के इस विशाल प्रवाह से उत्तर प्रदेश की आर्थिक शक्तिको बढ़ावा मिलने और भारत के समग्र सकल घरेलू उत्पाद (GDP) की वृद्धि में योगदान मिलने की उम्मीद है।

पछिला ग्राउंडब्रेकगि समारोह

- राज्य में तीन अभूतपूर्व समारोह पहले ही हो चुके हैं, जिससे ₹2.10 लाख करोड़ से अधिक का नविश आया है।
- पहला यूपी इन्वेस्टर्स समिटि फरवरी 2018 में आयोजित किया गया था जिसमें 4.28 लाख करोड़ रुपए के 1045 MOU पर हस्ताक्षर किये गए थे।
- पहला ग्राउंडब्रेकगि समारोह जुलाई 2018 में हुआ, उसके बाद दूसरा जुलाई 2019 में हुआ, जिसके परिणामस्वरूप क्रमशः ₹61,792 करोड़ के नविश के साथ 81 परियोजनाएँ और ₹67,202 करोड़ के नविश के साथ लगभग 290 परियोजनाएँ सफल लॉन्च हुईं।